निर्माण और परियोजना प्रबंधन:

निर्माण और परियोजना प्रबंधन परामर्श कार्यों को लेने के लिए अलग से कार्यक्षेत्र बनाया गया है। हडको को अपनी पिछली परियोजनाओं से व्यापक अनुभव प्राप्त हुआ है। चिराग परियोजना, भीकाजी कामा प्लेस परियोजना, एंड्रयूजगंज परियोजना, पटना में बीएसयूपी परियोजनाएं और भुवनेश्वर, उत्तरकाशी, लातूर, भुज आदि में आपदा पुनर्वास परियोजनाएं। जिसमें हडको को निर्माण कार्यों की योजना, डिजाइन और निष्पादन के लिए परियोजना समन्वयक की महत्वपूर्ण भूमिका दी गई थी। परियोजना/ प्रबंधन/समन्वय क्षेत्र में हडको द्वारा प्राप्त अनुभव को देखते हुए हडको भविष्य में भी इसी तरह के कार्य करने का इरादा रखता है।

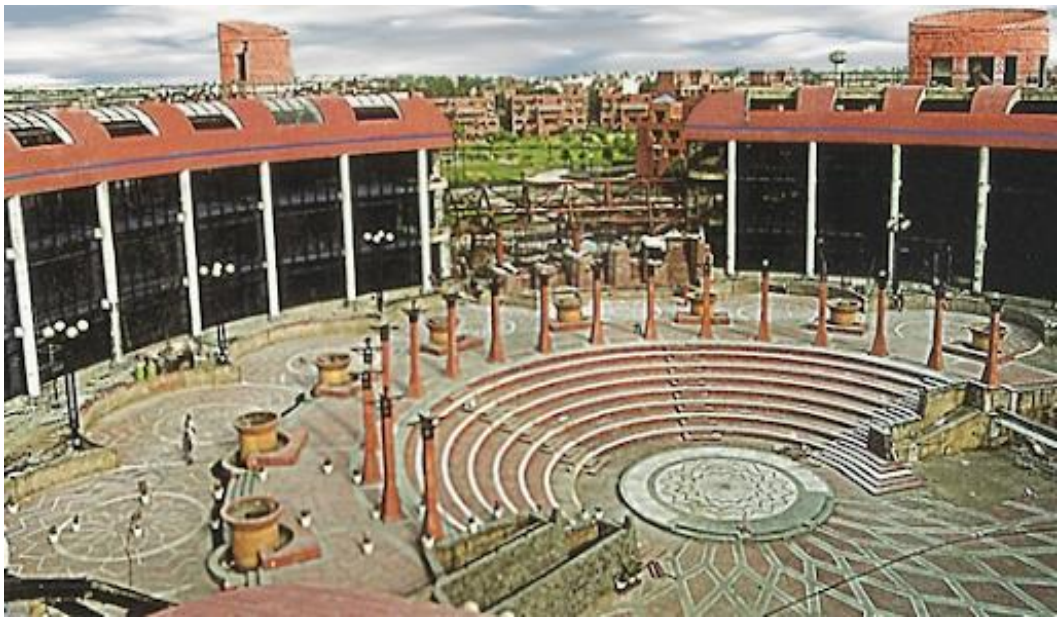

कार्य के प्रमुख क्षेत्र

- ❑ परियोजना व्यवहार्यता अध्ययन
- ❑ परियोजना निर्माण
- ❑ परियोजना प्रबंधन परामर्श
- ❑ परियोजना कार्यान्वयन और निष्पादन विशेष रूप से
- ❑ आईएचएसडीपी और बीएसयूपी जैसे सरकारी कार्यक्रमों के तहत आवास
- ❑ परियोजना की निगरानी और परियोजनाओं के तीसरे पक्ष के निरीक्षण
- ❑ परियोजना संपत्तियों का रखरखाव और विपणन
- ❑ अचल संपत्तियों का मूल्यांकन
- ❑ वाणिज्यिक और कार्यालय स्थानों के लिए खुदरा मूल्यांकन
- ❑ आपदा प्रभावित क्षेत्रों में पुनर्वास/पुनर्स्थापना परियोजनाएं

हडको की ऐतिहासिक परियोजनाएं

- ❑ एंड्रयूज गंज, नई दिल्ली में हडको प्लेस।
- ❑ अगस्त क्रांति भवन, हडको विशाला और हडको त्रिकूट भीकाजीकमा प्लेस, नई दिल्ली
- ❑ जेएनएनयूआरएम की बीएसयूपी परियोजना के अंतर्गत पटना, बिहार में विभिन्न स्थानों पर आवास इकाइयों का निर्माण।
- ❑ बोधगया, बिहार में स्लम पुनर्वास परियोजनाएं
- ❑ उत्तरकाशी, भुवनेश्वर, लातूर, भुज में आपदा पुनर्वास परियोजनाएं।

निर्माण और विकास परियोजना

हडको प्लेस एंड्रयूज गंज परियोजना

हडको प्लेस एंड्रयूज-गंज, नई दिल्ली को "संसाधन के रूप में भूमि" की अवधारणा के आधार पर विकसित किया गया था। इस परियोजना में भारत सरकार द्वारा निर्धारित 60.6 एकड़ भूमि का विकास शामिल था।

- 17.6 एकड़ के भूखंड को एक सामुदायिक केंद्र के रूप में विकसित किया गया था, जिसमें 12 नम्बर गेस्ट हाउस ब्लॉक, शॉपिंग आर्केड और होटल साइट, सांस्कृतिक केंद्र के रूप में घटक थे, जिन्हें राजस्व उत्पन्न करने के लिए निपटाया गया था।
- 18 एकड़ भूमि को जोनल ग्रीन स्पेस के रूप में विकसति और बनाए रखा गया था।
- भारत सरकार की 25 एकड़ भूमि और अन्य बुनियादी ढांचे के कार्यों पर 1176 सामान्य पूल मकान विकसित किए गए।

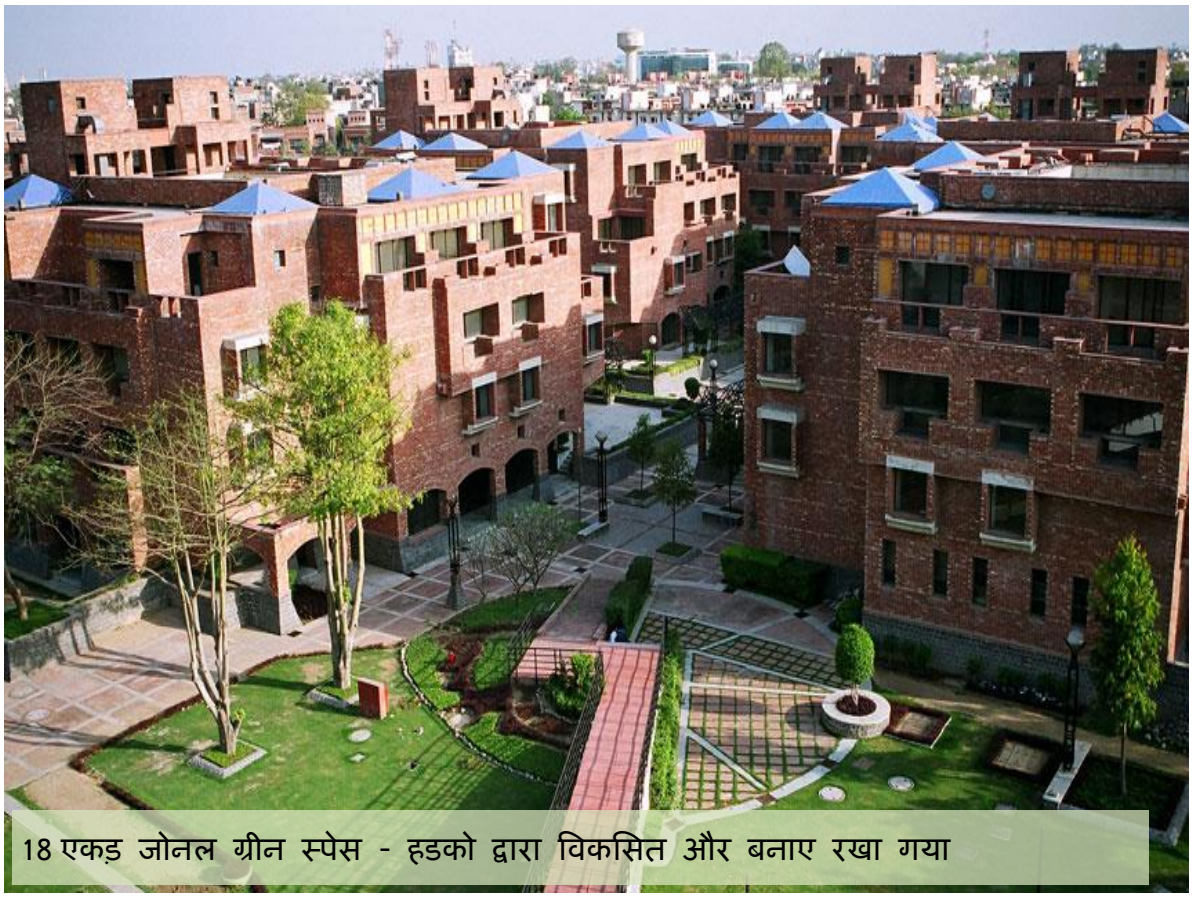

25 एकड़ भूमि पर सामान्य पूल आवास

हडको द्वारा विकसित संस्थागत स्थान

- हडको ने विभिन्न प्रकार की कार्यालय इकाइयों/वाणिज्यिक परिसरों की आवश्यकताओं के अनुरूप "संसाधन के रूप में भूमि" की अवधारणा के आधार पर भीकाजीकामा प्लेस में अगस्त क्रांति भवन, हडको विशाला और हडको त्रिकूट में भूखंड विकसित किए।
- हडको ने उपरोक्त तीन परियोजनाओं में कुल 39758 वर्ग मीटर निर्मित स्थान का सफलतापूर्वक निर्माण किया।
- हडको विशाला में पूरे स्थान के निपटान से उत्पन्न अधिशेष और अगस्त क्रांति भवन में जगह के हिस्से का उपयोग भारत सरकार के लिए हडको त्रिकूट में कार्यालय बनाने के लिए किया गया था।

❑ अगस्त क्रांति भवन में शेष स्थान का उपयोग हडको के लाभ के रूप में किराये की आय के लिए किया जा रहा है।

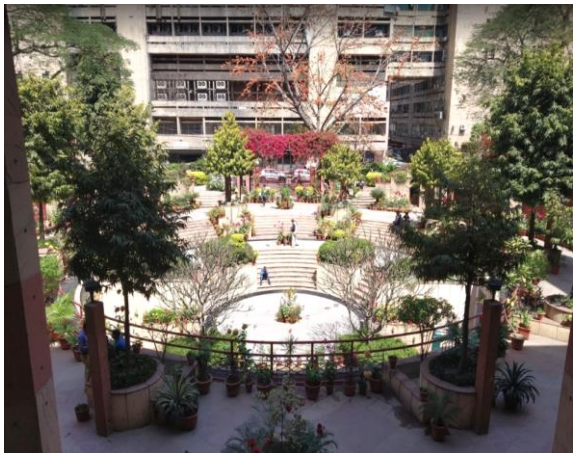

जेएनएनयूआरएम के तहत बीएसयूपी परियोजनाओं का कार्यान्वयन

बीएसयूपी योजना के तहत परियोजनाओं को सूचीबद्ध एजेंसियों से खुली निविदा के माध्यम से निविदा आमंत्रित करके कार्यान्वित और निष्पादित किया गया था।

- ❑ इनहाउस वास्तुविद टीम के समग्र मार्गदर्शन के तहत डिजाइनिंग के लिए सूचीबद्ध सलाहकारों से बोली आमंत्रित करके आर्किटेक्ट की नियुक्ति।
- ❑ निर्माण गतिविधियों के दिन-प्रतिदिन के प्रबंधन के लिए परियोजना प्रबंधन परामर्श सेवाओं की नियुक्ति।
- ❑ वास्तविक निर्माण कार्य करने के लिए परियोजना के निष्पादन के लिए ठेकेदारों की नियुक्ति।

इस परियोजना में 2012 से 2014 के बीच 13.65 करोड़ रुपये की कुल परियोजना लागत पर बिहार में 4 स्थानों पर शहरी गरीबों के लिए बुनियादी, बुनियादी ढांचा सेवाओं के प्रावधानों के साथ 480 आवास इकाइयों का कार्यान्वयन और निर्माण शामिल था।

- ❑ सैदपुरा, खघौल-64 इकाइयाँ
- ❑ इसोपुर, फुलवारी शरीफ- 192 इकाइयाँ
- ❑ सरीफागंज पीएमसी प्लॉट, पटना- 192 यूनिट
- ❑ मंगल तालाब, पटना- 32 इकाइयाँ

सरीफागंज पीएमसी प्लॉट, पटना में बीएसयूपी परियोजना

सरीफागंज पीएमसी प्लॉट, पटना में बीएसयूपी परियोजना के कार्यान्वयन में शहरी गरीबों के लिए 192 आवास इकाइयों का निर्माण शामिल था। निर्मित प्रत्येक आवास इकाई का प्लिंथ क्षेत्र 317 वर्ग फुट था।

मंगल तालाब पटना में बीएसयूपी परियोजना

मंगल तालाब पटना में बीएसयूपी योजना के तहत बिहार सरकार की ओर से शहरी गरीबों के लिए 32 आवास इकाईयों का निर्माण किया गया था। प्रत्येक आवास इकाई के लिए प्लिंथ क्षेत्र 317 वर्ग फुट था।

डोड्डाबनहल्ली, वलेगेरहल्ली में किफायती आवास - बीडीए

परियोजना सलाहकार सेवाएं जिसमें बाजार और मांग मूल्यांकन विश्लेषण शामिल है।/आपदा पीड़ितों का पुनर्वास (अनुलग्नक 1- आपदा बसाव)

आपदा प्रबंधन और पुनर्वास गतिविधियां हडको की विशेषज्ञता के प्रमुख क्षेत्रों में से एक रही हैं। हडको ने भूकंप, भूस्खलन, चक्रवात, बाढ़, समुद्री कटाव और सुनामी आदि जैसी प्राकृतिक आपदाओं के कारण संकट के समय हमेशा मदद का हाथ बढ़ाया है। देश के विभिन्न हिस्सों में। हडको ने विभिन्न राज्य सरकारों को पुनर्वास आवास और अन्य कार्यक्रमों के लिए अपनी विशेष वित्तीय और तकनीकी सहायता प्रदान की है। अब तक हडको की सहायता से प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित 41.44 लाख (4.1 मिलियन) परिवारों के पुनर्वास में मदद मिली।

आपदा पुनर्वास के प्रयास

हडको ने आपदा के बाद पुनर्वास के लिए महत्वपूर्ण पहल की है जिसमें मकानों और सामुदायिक भवनों के निर्माण के साथ-साथ क्षमता वृद्धि के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन शामिल है । हडको जबलपुर, लातूर, उस्मानाबाद, चमोली, भुज में भूकंप प्रभावित लोगों के साथ-साथ चक्रवात के पीड़ितों के पुनर्वास में बड़े पैमाने पर शामिल रहा है । इसने तमिलनाडु में सुनामी पीड़ितों के लिए घरों और जम्मू-कश्मीर के भूकंप प्रभावित क्षेत्रों में सामुदायिक हॉल को अस्थायी आश्रयों के रूप में बनाने में भी योगदान दिया है। लेह में हाल ही में बादल फटने की घटना के पीड़ितों के लिए, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों की जान चली गई और सैकड़ों बेघर हो गए, हडको ने प्रभावित परिवारों के लिए 144 प्रीफैब स्टार्टर हाउस के निर्माण के लिए वित्त पोषित किया है, जो घाटी में कठोर सर्दियों की शुरुआत से पहले सफलतापूर्वक पूरा हो गया है।

आपदा पुनर्वास परियोजनाओं के प्रबंधन और निष्पादन के लिए दृष्टिकोण

- ❑ नुकसान, प्रभावित आबादी और प्रमुख चुनौतियों का आकलन करने के लिए स्थितिजन्य विश्लेषण अध्ययन।
- ❑ प्रभावित लोगों के शमन और पुनर्वास के लिए कार्य योजना तैयार करना
- ❑ वित्तीय सहायता और उचित प्रौद्योगिकी पैकेजों की पहचान और विकास।
- ❑ निर्माण और उचित तकनीकों का उपयोग करने के लिए स्थानीय कारीगरों के प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और प्रशिक्षण के प्रयास।
- ❑ परियोजना प्रबंधन और आपदा शमन परियोजनाओं के निष्पादन में सहायता

स्कूल भवन, चमोली उत्तराखंड

चक्रवात पीड़ितों के लिए पाठशाला,

प्रमुख पुनर्वास परियोजनाएं :

- ❑ **बादल फटने के पीड़ितों के लिए लेह पुनर्वास परियोजना**
- ❑ **उत्तराखंड में भूकंप पुनर्वास**
- ❑ **लातूर और उस्मानाबाद में भूकंप पुनर्वास**
- ❑ **उड़ीसा में सुपर साइक्लोन प्रभावितों का-पुनर्वास**
- ❑ **गुजरात के भूकंप प्रभावित क्षेत्रों का पुनर्वास**
- ❑ **भोपाल गैस पीड़ितों के लिए आवास, भोपाल**